राष्ट्रीय सहारा

दिनांक : 23.12.2018

परमाणु ऊर्जा विकास से ही मिलेगी पर्याप्त बिजली

वाराणसी। परमाणु ऊर्जा आयोग के सदस्य पद्मश्री प्रो. आरवी ग्रोवर ने कहा कि परमाणु ऊर्जा उत्पादन को वढ़ाने के लिए परमाणु रिएक्टर के अंदर अधिक ऊष्मा को पैदा करने के लिए क्रिटिकल हीट फ्लक्स को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत को 2050 तक चीन समेत अन्य पड़ोसी देशों के वरावर प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत स्तर तक पहुंचाना है तो उसे परमाणु ऊर्जा विकास की ओर ध्यान देना होगा। प्रो. ग्रोवर आईआईटी, वीएचयू में आयोजित 'क्रिटिकल हीट फ्लक्स एंड मल्टीफेज फ्लो' विषय पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर वतौर मुख्य अतिथि संवोधित कर रहे थे। संगोष्ठी के सम्मानित अतिथि परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के अध्यक्ष एसए भारद्वाज ने कहा कि आज विश्व में परमाणु ऊर्जा से निकलने वाले परमाणु कचरे के दुष्परिणाम को कम करने की चुनौती को वैज्ञानिकों को स्वीकार करना चाहिए।

'क्रिटिकल हीट फ्लक्स एंड मल्टीफेज फ्लो' पर दो दिवसीय संगोष्ठी

उद्घाट्न सत्र में आईआईटी वीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एपी हर्षा ने भी संवोधित किया। संगोष्ठी में व्रिटेन, अमरीका एवं सिंगापुर के वैज्ञानिकों ने भी भागीदारी की है तथा आईआईटी वीएचयू एवं आईआईटी मुंवई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है। मुंवई स्थित भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (वार्क) भेल, कमिन्स, एल एंड टी समेत कई कम्पनियों ने आर्थिक सहयोग दिया। संगोष्ठी के संयोजक आईआईटी वीएच यू के प्रो. पी घोष और आई आई टी मुंवई के प्रो. अतुल श्रीवास्तव हैं।

परमाणु ऊर्जा बनेगा तापीय बिजली का विकल्प

वाराणसी। परमाणु ऊर्जा आयोग के सदस्य पद्मश्री प्रो. रवि भूषण ग्रोवर ने कहा कि पड़ोसी देशों के वरावर प्रति व्यक्ति विजली देने के लिए हमें परमाणु विजली उत्पादन पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि अभी देश में परमाणु ऊर्जा की भागी दारी मात्र तीन प्रतिशत है, परमाण ऊर्जा आयोग का लक्ष्य वर्ष 2050 तक परमाणु ऊर्जा की भागीदारी 25 फीसदी करना है। उन्होंने पत्रकारवार्ता में वताया कि पड़ोसी देश मलेशिया में प्रति व्यक्ति 4656 यूनिट, थाईलैंड में प्रति व्यक्ति 2868 यूनिट, सिंगापुर में प्रति व्यक्ति 9000 यूनिट प्रति वर्ष उपलव्ध है, जवकि भारत में प्रति व्यक्ति मात्र 1100 यूनिट है। इस खाई को पाटने के लिए तापीय विद्युत उत्पादन को कम कर परमाणु ऊर्जा से पूरा किया जा कता है। प्रो. ग्रोवर ने कहा कि भारत में स्थापित 22 परमाणु ऊर्जा केंद्रों में से 18 भारत में डिजाइन किया गया है, सभी वेहतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले 2030 तक भारत में 16 रियेक्टर वनाने का प्लान है।

वर्ष 2050 तक देश में परमाणु ऊर्जा का उत्पादन होगा 25 फीसदी

भातर सरकार के एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी वोर्ड चेयरमैन एसए भारद्वाज ने कहा कि परमाणु ऊर्जा रिएटक्टर निर्माण के लिए भारत के पास पर्याप्त तकनीकी है। उन्होंने वताया कि मार्च 2018 में देश में 1500 विलियन यूनिट विजली खर्ज हुई है, अव विजली उत्पादन 8600 विलियन यूनिट लाना है। जिससे सभी को 24 घंटे निर्वाध विजली मिल सके। वताया कि फ्रांस से टेक्नालॉजी लेने की वात चल रही है, पूरा विश्वास है कि वर्ष 2030 तक 12 प्लांट और स्थापित कर दिये जायेंगे।